ताप विद्युत परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक द्वारा वित्तीय सहायता

225. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैनः**
श्री वीरेन जे० शाहः

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि विश्व बैंक द्वारा ताप विद्युत परियोजनाओं के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता के साथ आयातित संयंत्रों के उपयोग की शर्त जुड़ी होती है;

(ख) यदि नहीं, तो देश में गत वर्षों में विश्व बैंक की सहायता से निर्मित अनेक ताप विद्युत परियोजनाओं में स्वदेशी उपस्करों के उपलब्ध होने के बावजूद आयातित उपस्करों के उपयोग के क्या कारण हैं;

(ग) देश में ताप विद्युत क्षेत्र में निर्मित ऐसी ताप विद्युत परियोजनाएं कौन-कौन सी हैं, जिनमें पूरी तरह स्वदेशी उपस्करों का उपयोग किया जा रहा है;

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त परियोजनाओं में "पावर लोड फैक्टर" की दर भी संतोषजनक है; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार भविष्य में सभी परियोजनाओं में स्वदेशी उपस्करों का ही उपयोग करने की नीति अपनायेगी?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) जी, नहीं।

(ख) से (ङ) विश्व बैंक की सहायता से क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं के मामले में, इस बात पर सहमति है कि परियोजनाओं हेतु उपस्कर बैंक द्वारा प्रकाशित "आई०बी०आर०डी० ऋण तथा आई०डी०ए० क्रेडिट के अन्तर्गत खरीद हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्त" के अनुसार प्राप्त किए जाएंगे। उपस्करों की खरीद के मामले में अन्तर्राष्ट्रीय या स्थानीय प्रतिस्पर्धात्मक बोली संबंधी प्रक्रियाएं, खरीद पैकेज की मात्रा के अनुसार लागू होती है। इसमें स्थानीय बोलीदाताओं को भी शामिल किया जाता है बल्कि वास्तव में स्वदेशी निर्माताओं को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बोली के मामले में प्राथमिकता प्रदान की जाती है ताकि वे अन्तर्राष्ट्रीय फर्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

छठी योजना के बाद से उन विश्व बैंक सहायता प्राप्त ताप विद्युत परियोजनाओं जिनमें केवल स्वदेशी उपस्कर उपयोग किए गए हैं, के नाम विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए) इन यूनिटों का संयंत्र भार गुणक संतोषजनक रहा है।

विवरण

क्र० सं०	परियोजना का नाम	क्षमता
1.	सिंगरौली सुपर थर्मल पावर स्टेशन, एनटीपीसी, उत्तर प्रदेश	5 × 200 + 2 × 500 मेगावाट
2.	कोरबा सुपर थर्मल पावर स्टेशन, एनटीपीसी, मध्य प्रदेश	3 × 210 + 3 × 500 मेगावाट
3.	टाटा इलैक्ट्रिक कं० की ट्राम्बे, बम्बई	2 × 500 मेगावाट
4.	एनटीपीसी की रामागुंडम, आन्ध्र प्रदेश	2 × 500 मेगावाट
5.	फरक्का एनटीपीएस, एनटीपीसी, पश्चिम बंगाल (गैस टीजी)	3 × 210 + 2 × 500 मेगावाट
6.	एनटीपीसी की नैशनल कैपिटल टीपीपी, उत्तर प्रदेश	4 × 210 मेगावाट
7.	महाराष्ट्र रा०वि० बोर्ड की चन्द्रपुर टीपीएस, महाराष्ट्र	2 × 500 मेगावाट

Release of Electricity from NTPC's Korba and Vindhyachal Plants to Madhya Pradesh

226. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of POWER be pleased to state;

(a) whether it is a fact that the Korba and Vindhyachal plants of NTPC are not releasing the full quota of electricity to Madhya Pradesh resulting in acute shortage of electricity in the State:

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government propose to instruct the NTPC to release full share of 1100 megawatt of electricity to Madhya Pradesh from its Korba and Vindhyachal plants;

(d) if so, by when Government propose to do the same and if not what are the reasons therefor; and

(e) what are the manner in which Government propose to reduce the shortage of electricity in Madhya Pradesh?